चालो लोकू: नोक्टे समुदाय का "पुराने मौसम को विदा" उत्सव

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

समाचार-संदर्भ: चालो लोकू, नोक्टे समुदाय, तिरप ज़िला (अरुणाचल प्रदेश): राज्यपाल और मुख्यमंत्री की शुभकामनाएँ, 25 नवंबर 2026

खबरों में क्यों

आकाशवाणी ईटानगर के 25 नवंबर 2026 के समाचार बुलेटिन के अनुसार राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के.टी. परनायक (सेवानिवृत्त), मुख्यमंत्री पेमा खांडू और उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने राज्य के लोगों, विशेषकर तिरप ज़िले के नोक्टे समुदाय को चालो लोकू पर शुभकामनाएँ दीं।[1]

राज्यपाल ने इसे फसल-कटाई के उत्सव से बढ़कर, जीवन, एकजुटता और नोक्टे समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव बताया। उपमुख्यमंत्री ने इसे कृषि-आधारित जीवंत उत्सव कहा, जो एकता और कृतज्ञता के मूल्य दर्शाता है।[1]

चालो लोकू क्या है

नाम का अर्थ: नोक्टे बोली में "लोकू" शब्द "लोफे" (भगाना) और "रंग-कु" (मौसम) से बना है। यानी "लोकू" का शाब्दिक अर्थ है वर्ष के पुराने मौसम को विदा करना।[2]

कब मनाया जाता है: कुछ गाँवों में जुलाई-अगस्त में और कुछ में अक्टूबर-नवंबर में, जब अहु धान की कटाई हो जाती है। गाँव के बुज़ुर्ग शुक्ल पक्ष की तिथियाँ गिनकर उत्सव की शुरुआत की तारीख़ तय करते हैं।[2]

आराध्य: मुख्यमंत्री ने "सर्वशक्तिमान रंग" से शांति, सुख, स्वास्थ्य और हर घर की समृद्धि की प्रार्थना की।[1]

तीन दिन की रस्में

पहला दिन, "फामलाम": उत्सव की तैयारी का दिन। सामग्री जुटाई जाती है; रात में गाँव के बुज़ुर्ग मुखिया के घर इकट्ठा होकर बातचीत करते हैं।[2]

दूसरा दिन, "चामकत्जा": लोग गाँव के बाहरी हिस्से में "चाताम" नामक स्थान पर जाते हैं, जहाँ मुखिया की अगुवाई में लोगों की भलाई और अच्छी फसल के लिए प्रार्थना होती है। इसके बाद भोज और नृत्य होता है, जो मुखिया के घर तक पहुँचता है।[2]

तीसरा दिन, "थांगलांग्जा": सुबह बुज़ुर्ग और मुखिया गाँव से इकट्ठा किए अंडे तोड़कर शगुन देखते हैं और उसी के आधार पर नए वर्ष की झूम खेती के खेत चुनते हैं। उत्सव की विदाई गीत गाकर होती है, जिसमें अगले वर्ष अच्छी फसल के आशीर्वाद के साथ लोकू के फिर आने की कामना की जाती है।[2]

तारीख़ों और अवधि का अंतर

ज़िला पृष्ठ बनाम राज्य कैलेंडर: तिरप ज़िले के पृष्ठ में उत्सव को तीन दिन का बताया गया है और तारीख़ चंद्र-तिथि से गाँव-गाँव तय होती है। अरुणाचल प्रदेश के स्वदेशी मामले विभाग के उत्सव-कैलेंडर में तिरप के लिए नोक्टे जनजाति की एक प्रविष्टि 25 नवंबर, अवधि एक दिन दर्ज है। उस पृष्ठ के पाठ में उत्सव का नाम नहीं दिया गया है, इसलिए इसे केवल तारीख़ और स्थान के संदर्भ के रूप में पढ़ें।[3][2]

परीक्षा-सावधानी: उत्सव की एक निश्चित तारीख़ या अवधि लिखने के बजाय लिखें कि गाँव के बुज़ुर्ग तिथि तय करते हैं और आयोजन-स्तर पर तारीख़ें अलग-अलग हो सकती हैं।

परीक्षा की दृष्टि से विश्लेषण

जनजातीय उत्सव और कृषि-चक्र: चालो लोकू फसल-चक्र (कटाई, नई झूम खेती की तैयारी) से जुड़ा है। यह निष्कर्ष स्रोत के तथ्यों पर आधारित विश्लेषण है।

- **संरक्षण:** राज्यपाल ने परंपराओं के संरक्षण और भाईचारे के बढ़ावे की आशा जताई।
- **झूम खेती:** अंडे से शगुन देखकर झूम के खेत चुनने जैसी परंपराएँ स्थानीय ज्ञान-प्रणाली का हिस्सा हैं।
- **सावधानी:** पूर्वोत्तर के जनजातीय उत्सवों को एक जैसा न मानें; हर समुदाय के रीति-रिवाज अलग हैं।

मुख्य परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "पूर्वोत्तर के जनजातीय उत्सव कृषि-चक्र और सामुदायिक पहचान की अभिव्यक्ति भी हैं।" चालो लोकू के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: चालो लोकू अरुणाचल प्रदेश के तिरप ज़िले में नोक्टे समुदाय का उत्सव है, जिसका अर्थ है वर्ष के पुराने मौसम को विदा करना।

मुख्य भाग में:

- **कृषि-चक्र से संबंध:** अहु धान की कटाई के बाद मनाया जाना; नई झूम खेती के खेत शगुन देखकर चुने जाना।
- **सामुदायिक पहचान:** मुखिया और बुज़ुर्गों की भूमिका; सामूहिक प्रार्थना, भोज और नृत्य; सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण।
- **चुनौतियाँ:** युवा पीढ़ी तक परंपराओं का हस्तांतरण; तारीख़ों और अवधि के स्थानीय अंतर के कारण एकरूप दस्तावेज़ीकरण की कठिनाई।

निष्कर्ष में: चालो लोकू कृषि-चक्र और सामुदायिक पहचान की जीवंत अभिव्यक्ति है; इसका संरक्षण मौखिक परंपरा के दस्तावेज़ीकरण और युवाओं की भागीदारी पर निर्भर करेगा।

प्रिलिम्स परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: चालो लोकू के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह अरुणाचल प्रदेश के तिरप ज़िले में नोक्टे समुदाय का उत्सव है।

2. "लोकू" शब्द "लोफे" (भगाना) और "रंग-कु" (मौसम) से बना है।

3. यह केवल जुलाई-अगस्त में मनाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

- कथन 1 सही है: राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने तिरप ज़िले के नोक्टे समुदाय को शुभकामनाएँ दीं।
- कथन 2 सही है: ज़िला पृष्ठ के अनुसार यही शब्द-व्युत्पत्ति है।
- कथन 3 गलत है: कुछ गाँवों में जुलाई-अगस्त में और कुछ में अहु धान की कटाई के बाद अक्टूबर-नवंबर में मनाया जाता है।

पाठ्यक्रम मानचित्रण:
मुख्य परीक्षा: GS-1 (भारतीय संस्कृति, जनजातीय परंपराएँ, पूर्वोत्तर)
प्रिलिम्स: कला और संस्कृति; जनजातीय उत्सव; अरुणाचल प्रदेश

स्रोत

1. आकाशवाणी ईटानगर: क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन (25 नवंबर 2026)
2. तिरप ज़िला प्रशासन: चालो लोकू (नोक्टे)
3. अरुणाचल प्रदेश सरकार, स्वदेशी मामले विभाग: सांस्कृतिक उत्सव और आयोजन

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: चालो लोकू अरुणाचल प्रदेश के तिरप ज़िले में नोक्टे समुदाय का उत्सव है, जिसका अर्थ वर्ष के पुराने मौसम को विदा करना है।

प्रश्न: "लोकू" का क्या अर्थ है?

ज़िला पृष्ठ के अनुसार "लोफे" (भगाना) और "रंग-कु" (मौसम) से बना शब्द, यानी पुराने मौसम को विदा करना।

प्रश्न: चालो लोकू कब मनाया जाता है?

कुछ गाँवों में जुलाई-अगस्त में और कुछ में अहु धान की कटाई के बाद अक्टूबर-नवंबर में। गाँव के बुज़ुर्ग तिथि तय करते हैं।

प्रश्न: चालो लोकू के तीन दिनों के नाम क्या हैं?

फामलाम, चामकत्जा और थांगलांग्जा।